

1

निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए। (27)

अ) मह्यकालीन एवं आधुनिक काव्यसंकलन किताब से जेठालाल सेन कबीर के दोहे अनुर महिमा को भाग से लिया गया है।

अथवा

प्रस्तुत काव्यांश 'सरकारी कोमल' कविता द्वारा उद्धृत काव्य शैली लिखित कविता से लिया गया है।

आ) 'परबुराम की त्रनिधा' काव्यसंकलन में से आज कसौली पन गौधी की भाग है। कविताद्वारा रामधा श्रीमिहं विनकरजी ने संपादन किया है।

अथवा

'परबुराम की त्रनिधा' काव्यसंकलन में से 'लोहे के धर्दे' का कविताद्वारा रामधारी मिहं विनकरजी ने संपादन किया है।

इ) 'त्रनिधि कविताएँ' संकलित काव्यसंकलन से 'अवकी अगार लोलेना' कावि कुंवर नारायणजी द्वारा संपादन किया है।

अथवा

'त्रनिधि कविताएँ' संकलित काव्यसंकलन से (स्थलीकरण) कुंवर नारायणजी

5 निम्न लिखित अधुत्वरी चरनों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (10)

- 1) निर्गुण भक्तिधारा
- 2) शृंगारकाल के कवि
- 3) उक्त प्रकार
- 4) धर्म की भाषा
- 5) अविज्ञान के बिना राष्ट्र का पाप नहीं होता।
- 6) देश की बाल हिम्मतवाले पुरुष होते हैं।
- 7) 'पुन हहेजे' कविता के कवि का नाम कुंवर नारायण।
- 8) अंत तक पहुँचने पहुँचने हिम्मत हार जाते हैं।
- 9) कावि अवकी अगार लोलेना हीलाहित होकर लोलेगा।
- 10) हम थोड़ी देर के लिए कुछ रथगित कर देते हैं।